पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक

हाल ही में जारी पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक-**2022** में भारत 180 देशों में सबसे अंतमि स्थान पर है।

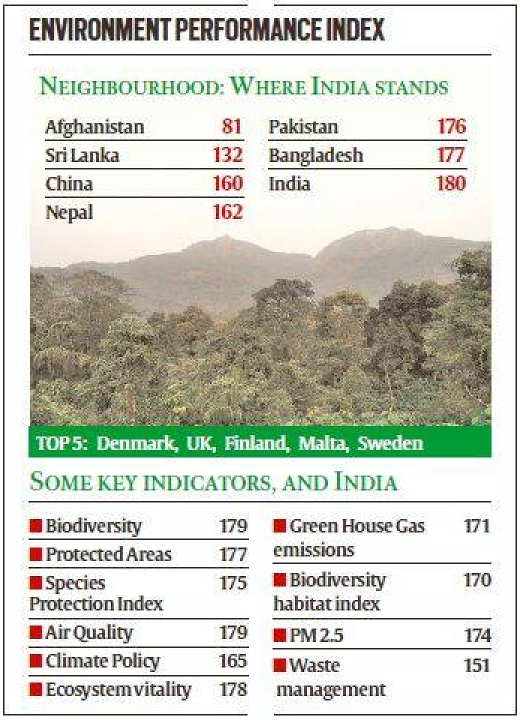

पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक:

- **परचिय:**
  - पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक एक अंतरराष्ट्रीय रैंकगि प्रणाली है जो पर्यावरणीय स्थतिऔर देशों की स्थरिता को मापता है।
  - पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक को एक द्ववार्षिक सूचकांक के रूप में वर्ष 2002 में 'येल सेंटर फॉर एन्वायरमेंटल लॉ एंड पॉलसी' और 'कोलंबिया यूनविर्सटी सेंटर फॉर इंटरनेशनल अर्थ साइंस इंफॉर्मेशन नेटवर्क' के सहयोग से वर्ल्ड इकोनॉमकि फोरम द्वारा पर्यावरण स्थरिता सूचकांक के रूप में शुरू किया गया था।
- **ढाँचा:**
  - वर्ष 2022 का EPI 40 प्रदर्शन संकेतकों को 11 नर्िगम श्रेणियों में बाँटा गया है।
  - इसके प्रकाशन की श्रेणियों के वतिरण में 3 नीतगित उद्देश्यों के अंतर्गत एकत्रति किया गया है:
    - **पर्यावरण स्वास्थ्य**
    - **पारस्थितिकी तंत्र जीवन शक्त**
    - **जलवायु परविर्तन**
  - ये संकेतक राष्ट्रीय स्तर पर एक अनुमान प्रदान करते हैं कि कितिने अभन्नि देश पर्यावरण नीतलिक्ष्य स्थापति कर रहे हैं।
  - EPI टीम पर्यावरणीय डेटा को ऐसे संकेतकों में बदल देती है जो देशों का मूल्यांकन 0-100 (सबसे नम्नि से सर्वश्रेष्ठ) के पैमाने पर करते हैं।

our website: epi.yale.edu.

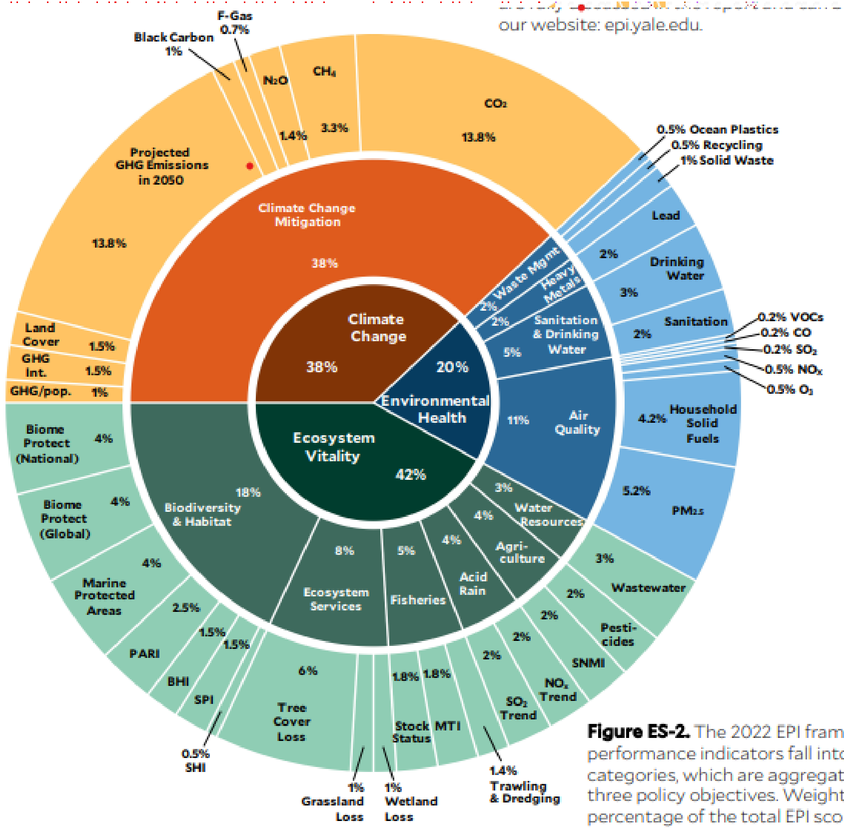

Figure ES-2. The 2022 EPI framework. 40 performance indicators fall into 11 issue categories, which are aggregated into three policy objectives. Weights show the percentage of the total EPI score.

प्रमुख निष्कर्ष:

- **वर्ष 2022 की रैंकिंग में डेनमार्क शीर्ष पर** है, यह एक ऐसी उपलब्धि है जो स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और संवहनीय कृषि को बढ़ावा देने के प्रयासों में उल्लेखनीय नेतृत्व के साथ-साथ उन सभी मुद्दों पर मज़बूत प्रदर्शन को दर्शाती है जिन्हें EPI द्वारा ट्रैक किया जाता है।
- **यूनाइटेड किंगडम और फिनलैंड क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं,** दोनों ने हाल के वर्षों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिये उच्च स्कोर अर्जित किया है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका वैश्विक पश्चिम में 22 समृद्ध/संपन्न लोकतंत्रों में 20वें और समग्र रूप से 43वें स्थान पर है।
- 18.9 के स्कोर के साथ **भारत की 180वीं रैंकिंग पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम और म्याँमार के बाद** आती है।
  - EPI के अनुसार, **भारत ने विधि के शासन, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और सरकारी प्रभावशीलता के मानक पर भी कम स्कोर** किया है।
  - EPI-2020 में **भारत 27.6 के स्कोर के साथ 168वें स्थान** पर था।
- EPI-2020 में, **डेनमार्क को पहले पर्यावरणीय स्वास्थ्य और स्थिरता** का स्थान दिया गया है।
- **EPI का महत्व:**
  - EPI निर्णय लेने वालों को **शीर्ष स्तरीय प्रदर्शन के चालकों को पहचानने में सक्षम** बनाता है
  - EPI डेटा का विश्लेषण दर्शाता है कि किसी देश की स्थिरता को बढ़ाने के लिये **वित्तीय संसाधन, सुशासन, मानव विकास और नियामक गुणवत्ता मायने** रखती है।
  - इन संबंधों पर प्रकाश डालते हुए EPI पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित और न्यायसंगत भविष्य के समर्थन में सतत् विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/environment-performance-index